के बारे में सरकार क्या सोच रही है ? इनके बारे में सरकार क्या कर रही है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : जोकि जाली सर्टीफिकेट्स पर आये हैं उनके मुताल्लिक यह चीज है कि अभी तक उनके बसाने का सवाल पैदा नहीं हुआ है लेकिन जहां तक उनको मदद देने का सवाल है जिसको कि रिलीफ कहते हैं उसके लिये हमने कुछ थोड़ी सी कार्यवाही की है ।

*471. *[The questioner (Shri V. K. Vhage) was absent. For answer,* vide ■*xols.* 3297-3298, infra.]

फरीदाबाद की बस्ती

*४७२. **प्रो० डा० रघुवीर** : क्या **पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) फरीदाबाद की बस्ती पर शासन ने कितना रुपया व्यय किया ; वहां कितने लोग बसाये गये हैं, और क्या क्या उद्योग आरम्भ किये गये हैं ;

(ख) वृत्तिहीन व्यक्तियों की फरीदाबाद की बस्ती में कितनी संख्या है ;

(ग) शासन ने वहां कौन से उद्योग आरम्भ किये और पीछे जा कर बेच दिये ;

(घ) क्या यह ठीक है कि शासन को इन उद्योगों में घाटा हो रहा था ;

(ङ) वहां कितनी सहकारी संस्थायें बनाई गईं और कितनी विफल हो गईं ; और

(च) क्या यह सच है कि फरीदाबाद में जितनी बिजली बनती है उतनी वहां प्रयुक्त नहीं हो सकती ; यदि यह सच है तो यह बिजली दिल्ली में क्यों नहीं लाई जाती है ?

t [FARIDABAD COLONY

•472. PROF. DR. RAGHU VIRA: Will the Minister of REHABILITATION AND MINORITY AFFAIRS be pleased to state:

(a) the amount of money spent by Government on the Faridabad Colony; the number of persons rehabilitated and the names of the industries that have been started there;

(b) the number of unemployed persons in Faridabad Colony;

(c) what industries were started there by Government and sold off later on;

(d) whether it is a fact that Government were running these industries at a loss;

(e) the number of co-operative societies started there and the number of those which have been unsuccessful; and

(f) whether it is a fact that the electricity generated at.Faridabad cannot be fully utilized there; if so, why this electricity is not transmitted to Delhi?]

पुनर्वास तथा अल्पसंख्यक-कार्य मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना): (क) और (ग). एक विवरण सभा की मेज पर रख दिया गया है ।

(ख) लगभग १,१०० ।

(घ) जी हां ।

(ङ) भारतीय सहकारी संघ ने ५५ सहकारी समितियों का संगठन किया था । २२ समितियां विफल रहीं जिनमें से १५ को उन समितियों के साथ मिला दिया गया जोकि अब भी काम कर रही हैं ।

(च) जी हां । दिल्ली राज्य बिजली बोर्ड द्वारा फालतू बिजली इस्तेमाल किये जाने के लिये उनके साथ बात चीत चली थी लेकिन एक्सपर्ट्स ने सलाह दी कि टेक-नीकल कारणों से ऐसा नहीं किया जा सकता । लेकिन इस मामले की दोबारा जांच की जा रही है ।

†[ ] English translation.

विवरण

फरीदाबाद की बस्ती पर किया गया खर्च

(क)(१) कर्जे

	रु० लाखों में
बस्ती के निर्माण के लिये .	२६४.००
औद्योगिक विकास और विस्थापित व्यक्तियों को रोजगार दिलाने के लिये . .	१३४.००

(२) अनुदान

शिक्षा तथा चिकित्सा सम्बन्धी सुविधाओं के लिए .	५४.००
बस्ती के आवर्ती खर्च के लिये	६४.००
बूढ़ों और अपाहिजों की सहायता के लिए .	३६.००

(३) बसाये गये विस्थापितों की संख्या . लगभग २६,००,

(४) चलाये गये उद्योग

(क) चालू कारखाने—

(१) सर्वश्री अमर बैट्रीज़
(२) ,, आटो पिन्स लि०
(३) ,, आटो लेम्पस
(४) ,, भारत रसायन
(५) ,, भारत रबड़ मिल्स
(६) ,, भार्गव गिलास फैक्ट्री
(७) ,, बाटा शू० फैक्ट्री
(८) ,, भारत कारबन और रिबन मैनूफैक्चरिंग कं०
(९) ,, ईस्टर्न इलिक्ट्रानिक्स रेडियो फैक्ट्री
(१०) ,, फरीदाबाद रबड़ इन्डस्ट्रीज़
(११) ,, फरीदाबाद इंडस्ट्रियल ऐन्ड क्वायरिंग कं०
(१२) ,, हिन्दुस्तान इलिविट्रक कं०
(१३) ,, इंडियन गिलास एजंसी
(१४) ,, इंडियन हार्डवेयर इंडस्ट्रीज़
(१५) ,, जे० एन० शर्मा एन्ड को० (भासकर लेन्टर्न्स)
(१६) सर्वश्री जसवंत सिंह आइस फैक्ट्री
(१७) ,, लक्ष्मीचन्द मदनलाल कोल्ड स्टोरेज
(१८) ,, लाल्स लि०
(१९) ,, लक्ष्मी रत्न इंजीनियरिंग वर्क्स
(२०) ,, मलचन्दानी रेडियो फैक्ट्री
(२१) ,, मनोहरलाल मंचन्दा ऐन्ड कं० स्टोन क्रशर
(२२) ,, नव इंडस्ट्रीज़
(२३) ,, न्यू इंडिया मोटर बाडी बिल्डर्स
(२४) ,, पाल रबड़ वर्क्स
(२५) ,, पैरामोंट रबड़ वर्क्स
(२६) ,, राम स्वरूप धनीराम गोटा फैक्ट्री
(२७) ,, स्पन पाईप फैक्ट्री
(२८) ,, स्टैंडर्ड बटन एजेन्सी
(२९) ,, वियरवेल साइकल कं० लि०
(३०) ,, ईस्ट इंडिया काटन मैनूफैक्चरिंग कं०
(३१) ,, मुंशी लाल एन्ड सन्स कार्ड बोर्ड कं०
(३२) ,, एग्रीकलचरल इम्पलिमेंट्स फैक्ट्री
(३३) ,, डोगरा स्टील इन्डस्ट्रीज़

(ख) उन कारखानों के नाम जिनका कि निर्माण हो रहा है—

(१) सर्वश्री इंडो जापान वेक्यूम फलास्क्स बाटल कं०
(२) ,, रत्न चन्द हरजस राय
(३) ,, गवर्नमेंट आफ इंडिया प्रेस
(४) ,, प्रिटले दुगल ऐन्ड कं०
(५) ,, हितकारी ब्रदर्स
(६) ,, इलिक्ट्रानिक्स लि०
(७) ,, पेंसिल फैक्ट्री
(८) ,, वील गार्ड्स
(९) ,, जे० एस० ओबराय
(१०) ,, कैमिकल लेबोरेट्रीज़
(११) ,, वार्ब्डवायर फैक्ट्री